कार्यालय- जिला सूचना अधिकारी-फतेहपुर

समाचार पत्र का नाम ....दैनिक जागरण.......... दिनांक 08/05/2026

दैनिक अमर उजाला

जल जीवन मिशन का किया गया स्थलीय मूल्यांकन, जांची गुणवत्ता

भिटौरा के लतीफपुर गांव में पहुंची प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय प्रयागराज की टीम • जागरण

जासं, फतेहपुर : विकास खंड भिटौरा अंतर्गत ग्राम पंचायत लतीफपुर और सरैला में गुरुवार को जल जीवन मिशन के तहत संचालित योजनाओं का स्थलीय मूल्यांकन हुआ। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय प्रयागराज की विशेषज्ञ टीम ने गांव पहुंचकर पेयजल योजनाओं की प्रगति, गुणवत्ता और ग्रामीणों पर पड़ रहे प्रभाव का विस्तृत निरीक्षण किया।

टीम ने ग्राम जल और स्वच्छता समिति, ग्राम प्रधानों तथा ग्रामीणों से संवाद कर योजना की जानकारी ली। साथ ही गांवों में निर्मित जल टंकियों और पाइपलाइन नेटवर्क की तकनीकी समीक्षा भी की गई।

निरीक्षण टीम में डा. अशोक मौर्य, मुकेश कुमार कन्नौजिया, अभिजात सिंह, अभिजीत तिवारी, सौरभ सिंह सहित विश्वविद्यालय के कई सदस्य रहे। इस दौरान जिला समन्वयक राजमुनि यादव, अवर अभियंता पिंटू कुमार, कोआर्डिनेटर शिवबहादुर सिंह चंदेल, प्रोजेक्ट मैनेजर मो. सऊद सिद्दीकी, पंचायत प्रतिनिधि व ग्रामीण रहे।

विवि की टीम ने जलजीवन मिशन की देखी प्रगति

फतेहपुर। प्रो. राजेंद्र सिंह रज्जू भैया विश्वविद्यालय प्रयागराज की टीम ने जल जीवन मिशन की प्रगति का मूल्यांकन किया। बृहस्पतिवार को भिटौरा ब्लॉक की ग्राम पंचायत लतीफपुर और सरैला में जल जीवन मिशन के तहत संचालित योजना का टीम ने निरीक्षण कर मूल्यांकन किया। टीम ने ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के पदाधिकारियों, प्रधानों और ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। मूल्यांकन में टीम ने पाया गया कि घर-घर नल कनेक्शन उपलब्ध होने से ग्रामीणों को अब नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल मिल रहा है। टीम में विवि के विशेषज्ञ डॉ. अशोक मौर्या, टीम के सदस्य मुकेश कुमार कन्नौजिया, अभिजात सिंह, अभिजीत तिवारी, सौरभ सिंह आदि मौजूद रहे। (संवाद)

Scanned with OKEN Scanner

कार्यालय- जिला सूचना अधिकारी-फतेहपुर

समाचार पत्र का नाम दैनिक आज का चौपाल दिनांक 08/05/2026

रज्जू भैया विश्वविद्यालय की टीम ने जल जीवन मिशन का स्थलीय निरीक्षण किया

चौपाल संवाद

फतेहपुर।जल जीवन मिशन की स्थलीय प्रगति का निरीक्षण करने केलिए रज्जू भैया विश्वविद्यालय प्रयागराज की एक टीम प्रोफेसर अशोक मौर्य के नेतृत्व में भिटौरा विकास खंड के ग्राम पंचायत लतीफपुर और सरैला में जल जीवन मिशन के तहत संचालित योजनाओं का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण एवं प्रभाव मूल्यांकन किया गया। इस टीम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता और उसके सामाजिक–आर्थिक प्रभावों का आकलन करना था।

निरीक्षण टीम ने ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के पदाधिकारियों, ग्राम प्रधानों तथा स्थानीय ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इस दौरान योजना के क्रियान्वयन और पानी की गुणवत्ता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की गई।ग्राम पंचायत लतीफपुर और सरैला में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निर्मित की गई जल टंकियों और रहा है।

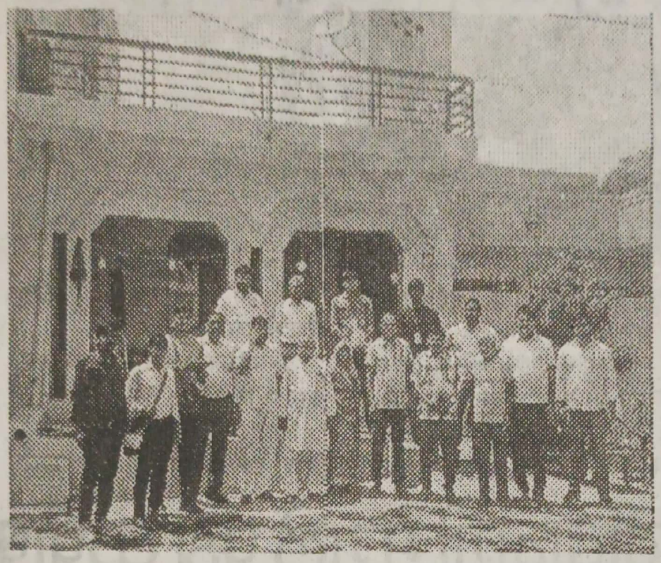

पाइपलाइन नेटवर्क के तकनीकी पहलुओं की समीक्षा की गई।

मूल्यांकन के दौरान यह पाया गया कि घर–घर नल कनेक्शन उपलब्ध होने से ग्रामीणों को अब नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल मिल

ग्रामीणों ने टीम को बताया कि जल जीवन मिशन लागू होने से पहले उन्हें पानी के लिए हैंडपंपों कुँओं पर निर्भर रहना पड़ता था, जिसमें समय और श्रम दोनों की अत्यधिक खपत होती थी।

घर में ही शुद्ध जल की उपलब्धता से विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को बड़ी राहत मिली है। इससे न केवल समय की बचत हो रही है, बल्कि जलजनित बीमारियों में भी कमी आई है और जीवन स्तर में सुधार देखा जा रहा है।

घनिरीक्षण टीम में प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के विशेषज्ञ डॉ0 अशोक मौर्या के साथ उनकी टीम के सदस्य मुकेश कुमार कन्नौजिया, अभिजात सिंह, अभिजीत तिवारी, सौरभ सिंह, तथा मौके पर जिला समन्वयक राजमुनि यादव, अवर अभियंता पिंटू कुमार , आई0एस0ए0 कोऑर्डिनेटर शिवबहादूर सिंह चन्देल, प्रोजेक्ट मैनेजर मो0 सऊद सिद्दीकी, जी0आई0एस0 जितेंद्र,कंस्ट्रक्शन एजेंसी से लखेन्दर, ग्राम प्रधान सोमवती देवी, पंचायत सहायक आदित्य सिंह चौहान, स्थानीय ग्राम पेयजल स्वच्छता समिति सदस्य और ग्रामीण उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर

जल जीवन मिशन की प्रगति का किया स्थलीय निरीक्षण

फतेहपुर (ब्यूरो)। विकासखंड भिटौरा की ग्राम पंचायत लतीफपुर एवं सरैला में जल जीवन मिशन के तहत संचालित योजनाओं का प्रो. राजेंद्र सिंह विश्वविद्यालय प्रयागराज की टीम द्वारा स्थलीय निरीक्षण एवं मूल्यांकन करते हुए ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल के बारे में बताया गया। टीम सदस्यों ने बताया कि यहां आने का मकसद ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता और उसके सामाजिक एवं आर्थिक प्रभावों का आंकलन करना है। टीम सदस्यों ने ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के पदाधिकारी से सीधा संवाद करते हुए योजना के क्रियान्वयन और पानी की गुणवत्ता से संबंधित जानकारियां प्राप्त की। दोनों ग्राम पंचायत में पेयजल आपूर्ति सुरक्षित करने के लिए बनी जल टंकियां और पाइपलाइन नेटवर्क के तकनीकी पहलुओं की समीक्षा किया। इस अवसर पर टीम विशेषज्ञ डॉ. अशोक मौर्य सहित सदस्य मुकेश कनौजिया, अभिजात सिंह, अभिजीत तिवारी, सौरभ सिंह, जिला समन्वयक राज मुनि यादव, पिंटू कुमार सहित तमाम लोग रहे।

दैनिक स्वतन्त्र भारत

जल जीवन मिशन के प्रभाव का विश्वविद्यालय टीम ने किया मूल्यांकन

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। जल जीवन मिशन के तहत गांवों में पहुंच रहे शुद्ध पेयजल का असर अब ग्रामीणों की जिंदगी में साफ दिखाई देने लगा है। गुरुवार को विकास खंड भिटौरा के ग्राम पंचायत लतीफपुर और सरैला में प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय प्रयागराज की टीम ने योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर प्रभाव का आकलन किया। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि घर-घर नल कनेक्शन मिलने से अब उन्हें पानी के लिए हैंडपंप और कुओं पर निर्भर नहीं रहना पड़ता।

विश्वविद्यालय की टीम ने जल टंकियों, पाइपलाइन नेटवर्क और पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की तकनीकी समीक्षा की। साथ ही ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति, ग्राम प्रधानों और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर योजना के लाभ और जमीनी स्थिति की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि पहले पानी भरने में काफी समय और मेहनत लगती थी। खासकर महिलाओं और बच्चों को रोजाना लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, लेकिन अब घर में ही स्वच्छ पानी मिलने से बड़ी राहत मिली है। लोगों ने कहा कि समय की बचत होने के साथ जलजनित बीमारियों में भी कमी आई है और जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

निरीक्षण टीम में विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ डॉ. अशोक मौर्या के साथ मुकेश कुमार कन्नौजिया, अभिजात सिंह, अभिजीत तिवारी और सौरभ सिंह शामिल रहे। वहीं मौके पर जिला समन्वयक राजमुनि यादव, अवर अभियंता पिंटू कुमार, आईएसए कोऑर्डिनेटर शिवबहादुर सिंह चंदेल, प्रोजेक्ट मैनेजर मो. सऊद सिद्दीकी, जीआईएस जितेंद्र, कंस्ट्रक्शन एजेंसी के लखेन्दर, ग्राम प्रधान सोमवती देवी, पंचायत सहायक आदित्य सिंह चैहान समेत ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्य और ग्रामीण मौजूद रहे।

Scanned with OKEN Scanner

कार्यालय- जिला सूचना अधिकारी-फतेहपुर

समाचार पत्र का नाम दैनिक दोआबा वार्ता   दिनांक 08/05/2026

दैनिक दोआबा सम्राट

जल जीवन मिशन की प्रगति का किया गया स्थलीय निरीक्षण

फतेहपुर 07 मई। जनपद फतेहपुर के विकास खण्ड भिटौरा के अंतर्गत ग्राम पंचायत लतीफपुर और सरैला में आज जल जीवन मिशन के तहत संचालित योजनाओं का प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज की टीम द्वारा विस्तृत स्थलीय निरीक्षण एवं प्रभाव मूल्यांकन किया गया। इस टीम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता और उसके सामाजिक–आर्थिक प्रभावों का आकलन करना था।

निरीक्षण टीम ने ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के पदाधिकारियों ग्राम प्रधानों तथा स्थानीय ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इस दौरान योजना के क्रियान्वयन और पानी की गुणवत्ता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की गई।ग्राम पंचायत लतीफपुर और सरैला में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निर्मित की गई जल टंकियों और पाइपलाइन नेटवर्क के तकनीकी पहलुओं की समीक्षा की गई।
मूल्यांकन के दौरान यह पाया गया कि घर–घर नल कनेक्शन उपलब्ध होने से ग्रामीणों को अब नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल मिल रहा है।

ग्रामीणों ने टीम को बताया कि जल जीवन मिशन लागू होने से पहले उन्हें पानी के लिए हैंडपंपों कुँओं पर निर्भर रहना पड़ता था, जिसमें समय और श्रम दोनों की अत्यधिक खपत होती थी। घर में ही शुद्ध जल की उपलब्धता से विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को बड़ी राहत मिली है। इससे न केवल समय की बचत हो रही है, बल्कि जलजनित बीमारियों में भी कमी आई है और जीवन स्तर में सुधार देखा जा रहा है।

निरीक्षण टीम में प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के विशेषज्ञ डॉ0 अशोक मौर्या के साथ उनकी टीम के सदस्य मुकेश कुमार कन्नौजिया, अभिजात सिंह, अभिजीत तिवारी, सौरभ सिंह, तथा मौके पर जिला समन्वयक राजमुनि यादव, अवर अभियंता पिंटू कुमार, आई0एस0ए0 कोऑर्डिनेटर शिवबहादूर सिंह चन्देल, प्रोजेक्ट मैनेजर मो0 सऊद सिद्दीकी, जी0आई0एस0 जितेंद्र,कंस्ट्रक्शन एजेंसी से लखेन्दर, ग्राम प्रधान सोमवती देवी, पंचायत सहायक आदित्य सिंह चौहान, स्थानीय ग्राम पेयजल स्वच्छता समिति सदस्य और ग्रामीण उपस्थित रहे।

घर–घर पहुंचा नल का जल, बदली गांव की तस्वीर

जल जीवन मिशन के प्रभाव का विश्वविद्यालय टीम ने किया मूल्यांकन

ग्रामीणों ने बताया, अब नहीं लगानी पड़ती पानी के लिए लाइन

(दोआबा सम्राट) फतेहपुर। जल जीवन मिशन के तहत गांवों में पहुंच रहे शुद्ध पेयजल का असर अब ग्रामीणों की जिंदगी में साफ दिखाई देने लगा है। गुरुवार को विकास खंड भिटौरा के ग्राम पंचायत लतीफपुर और सरैला में प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया)

विश्वविद्यालय प्रयागराज की टीम ने योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर प्रभाव का आकलन किया। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि घर–घर नल कनेक्शन मिलने से अब उन्हें पानी के लिए हैंडपंप और कुओं पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। विश्वविद्यालय की टीम ने जल टंकियों, पाइपलाइन नेटवर्क और पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की तकनीकी समीक्षा की। साथ ही ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति, ग्राम प्रधानों और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर योजना के लाभ और जमीनी स्थिति की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि पहले पानी भरने में काफी समय और मेहनत लगती थी। खासकर महिलाओं और बच्चों को रोजाना लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, लेकिन अब घर में ही स्वच्छ पानी मिलने से बड़ी राहत मिली है। लोगों ने कहा कि समय की बचत होने के साथ जलजनित बीमारियों में भी कमी आई है और जीवन स्तर में सुधार हुआ है। निरीक्षण टीम में विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ डॉ. अशोक मौर्या के साथ मुकेश कुमार कन्नौजिया, अभिजात सिंह, अभिजीत तिवारी और सौरभ सिंह शामिल रहे। वहीं मौके पर जिला समन्वयक राजमुनि यादव, अवर अभियंता पिंटू कुमार, आईएसए कोऑर्डिनेटर शिवबहादुर सिंह चंदेल, प्रोजेक्ट मैनेजर मो. सऊद सिद्दीकी, जीआईएस जितेंद्र, कंस्ट्रक्शन एजेंसी के लखेन्दर, ग्राम प्रधान सोमवती देवी, पंचायत सहायक आदित्य सिंह चौहान समेत ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्य और ग्रामीण मौजूद रहे।

Scanned with OKEN Scanner